स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पह्रे सेक्बी ।

थारू भाषाके ‘क’ वर्गके राष्ट्रिय दैनिक   भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २४ अंक ५७ वि.सं. २०८३ भदौ २६ गते शुक्र   थारु सम्वत (२६४९)   [Friday 11 September 2026]   (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

प्रदेश सभाके गतिविधि सुस्त

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २५ भदौ । सुदूरपश्चिम प्रदेश सभाके गतिविधि सुस्ताइल बा । सरकारसे चलायमान बनाइ नैसेकके शासनप्रणालीमे नीति निर्धारण तथा कानुन निर्माण कैना प्रदेश सभाके गतिविधि सुस्त डेखल हो ।

तत्कालीन मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह नेतृत्वके सरकारसे बजेट पारित कराइ नैसेकलपाछे सुस्त बनल प्रदेश सभा नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) के खगराज भट्टके नेतृत्वमे लावा सरकार बनटसम चलायमान हुइ सेकल नैहो ।

चालु आर्थिक बरस २०८३/८४ मे सरकार छोर्ना ओ सरकार टिकाइक लाग किल दुईचो प्रदेश सभाके बैठक बैठल बा । सावन २८ गते तत्कालीन मुख्यमन्त्री शाह विश्वासके मत लेहक लाग प्रदेश सभाके बैठक बोलाइल रहे ।

स्पष्ट अल्पमतमे परल उहाँ उ बैठकमे आपन धारणा राखके प्रदेश प्रमुखहे राजीनामे बुझैना जानकारी कराइल रहिट । ओस्टके भदौ ३ गते लावा मुख्यमन्त्री भट्ट विश्वासके मत लेहक लाग प्रदेश सभाके बैठक बोलाइल रहे ।

तत्कालीन सरकारसे बजेट पारित कराइ नैसेकलपाछे प्रदेश बजेट शून्यतासे गुज्रलेसे फेन लावा सरकार आइटसम प्रदेश सभाके गतिविधिसे गति लेहे सेकल नैहो । पाछक तीन अँठ्वारसे सभाके गेटमे ताल्चा लागल बा । प्रदेश सभा बैठक सञ्चालनके अब्बेसम कौनो टुङ्गो नैलागल प्रदेश सभा सचिवालयके सूचना अधिकारी उपसचिव ताराकुमारी जोशी बटैली । उहाँ सचिवालयमे नयाँ विधेयक फेन दर्ता हुइ नैआइल उल्लेख करली । सूचना अधिकारी जोशी कहली, “सभाके बैठक सञ्चालनबारे कौनो जानकारी आइल नैहो । लावा विधेयक फेन दर्ता हुइल नैहो ।”

प्रदेश सभा सचिवालयमे लावा विधेयक दर्ता नैहुइलेसे फेन सातठो विचाराधीन विधेयक रहल सचिवालय जानकारी डेले् बा । २०८१ मे दर्ता हुइल टीकापुर विज्ञान तथा प्रविधि विश्वविद्यालय सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयक ओ कुछ उद्योग तथा वनसम्बन्धी ऐनहे संशोधन कैना बनल विधेयक आभिन विचाराधीन अवस्थामे रहल बावै । डुनु विधेयक झन्डै तीन बरससे प्रदेश सभामे थन्कल बावै ।

ओस्टके पाँच विधेयक फेन विगत डेढ बरससे सभामे थन्क्याइल बावै । २०८२ सालके टमान महिनामे दर्ता हुइल दलित सशक्तीकरण ऐन, २०७८ हे संशोधन कैना बनल विधेयक, सुदूरपश्चिम प्रदेश बरघर ओ भलमनसा प्रथा संरक्षण तथा विकास सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयक, सुदूरपश्चिम प्रदेशमे आमसञ्चार सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयक आभिन विचाराधीन अवस्थामे रहल बावै । ओस्टके सुदूरपश्चिम प्रदेश जनस्वास्थ्य सेवा ऐन, २०७६ हे संशोधन कैना बनल विधेयक ओ सुदूरपश्चिम प्रदेश जीवनाशक विषादी व्यवस्थापन सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयक फेन प्रदेश सभामे थन्क्याइल बावै ।

चालु आवके लाग बजेट निर्माणके प्रक्रियामे जुटल प्रदेश सरकारसे हाली प्रदेश सभा बैठक बैठ्ना सङ्केत करले बा । कुछ दिनआघे सत्तारूढ दलके न्यूनतम साझा कार्यक्रम सार्वजनिक कैटी मुख्यमन्त्री खगराज भट्ट प्रदेश सरकारसे भदौभिटरे नयाँ बजेट सभामे प्रस्तुत कैना उल्लेख करल रहिट ।

मुख्यमन्त्री भट्ट ओ पूर्वमुख्यमन्त्री शाहबीच भेटवार्ता

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २५ भदौ । सुदूरपश्चिम प्रदेशके मुख्यमन्त्री खगराज भट्ट ओ पूर्वमुख्यमन्त्री तथा प्रमुख प्रतिपक्ष दल नेपाली कांग्रेसके संसदीय दलके नेता कमल शाहबीच भेटवार्ता हुइल बा ।

मुख्यमन्त्री भट्ट पूर्वमुख्यमन्त्री शाहके निवासमे पुगके उहाँ स्वास्थ्य अवस्थाबारे जानकारी लेहल हुइट । उ अवसरमे मुख्यमन्त्री भट्ट शाहके शीघ्र स्वास्थ्यलाभके कामना करल रहिट ।

भेटघाटके क्रममे दुई नेताबीच केवल शिष्टाचार भेट किल नैहोके सुदूरपश्चिम प्रदेशके वर्तमान राजनीतिक अवस्था, समसामयिक विषय ओ प्रदेशके समग्र विकासके विविध मुद्दामे समेत गम्भीर छलफल हुइल बटाइल बा । प्रदेश सरकारविरुद्ध सत्तारूढ दलभिटरे आन्तरिक असन्तुष्टि चुल्टी रहल बेला मुख्यमन्त्री भट्ट ओ प्रमुख प्रतिपक्ष दलके नेता शाहबीचके भेटहे अर्थपूर्ण रूपमे हेरल बा ।

सहारा घरके सञ्चालक विष्टहे एक लाखके सामाजिक सेवा पुरस्कार

पहुरा समाचारदाता
घोडाघोडी, २५ भदौ । बर्दगोरिया गाउँपालिका-बौनियास्थित सहारा घरके सञ्चालक बलबहादुर विष्ट समाजसेवामे पुगाइल योगदानके लाग एक लाख रुपियाँ नगद राशिसहित सम्मानित हुइना हुइल बटै ।

सडकमे अलपत्र परल मानसिक रोगी तथा असहाय व्यक्तिके उद्धार, संरक्षण ओ परिवारसँग पुनर्मिलन करैटी आइल विष्टहे रामबाबु-ज्ञानु सामाजिक सेवा पुरस्कार प्रदान करे लागल हो ।

रामबाबु-ज्ञानु सामाजिक सेवा पुरस्कार कोषसे समाजसेवाके क्षेत्रमे उदाहरणीय योगदान पुगुइया व्यक्ति तथा संस्थाहे प्रत्येक बरस सम्मान कैटी आइल बा । कोषके अध्यक्ष ध्रुव नेपालके अनुसार सेवाके भावनासे सामाजिक सेवाजैसिन पुण्य कार्यमे समर्पित होके नेपाल ओ नेपालीके हितमे उल्लेखनीय योगदान पुगुइया व्यक्ति तथा संस्थाके योगदानके कदर कैटी पुरस्कार प्रदान करे लागल हो ।

इ बरस असहायके लाग सहयोगी हात नेपाल (सहारा घर) के सञ्चालक विष्टहे पुरस्कार प्रदान कैना निर्णय कोषके साधारणसभासे करल हो । कोषसे पठाइल पत्रअनुसार विष्टहे कुँवार २ गते काठमाडौंमे एक लाख रुपियाँ नगदसहित सम्मान करजैना बा ।

सहारा घरहे आवन जीवनके सेवायात्राके प्रतीकके रूपमे लेके निरन्तर मानवीय सेवामे सक्रिय विष्ट आपनहे पुरस्कारके लाग छनोट करलमे आयोजकप्रति आभार व्यक्त करले बटै । उहाँ सहारा घरसे कैटी आइल मानवीय सेवाके कदर हुइल कहटी इहीसे आपनहे आउर जिम्मेवार होके सेवा कैना प्रेरणा मिलल् बटैलै ।

विष्ट २०७० सालसे सडकमे अलपत्र परल मानसिक रोगी तथा असहाय व्यक्तिके उद्धार कैके आश्रय डेना अभियान सञ्चालन कैटी आइल बटै । लम्मा समयसे परिवारसे छुट्के तथा सडकमे जीवन बिटैना बाध्य हुइल व्यक्तिहे उद्धार कैके सहारा घरमे आश्रय, खाना, कपडा तथा आवश्यक हेरचाहके व्यवस्था कैटी आइल विष्ट हालसम पाँच सयसे ढेर व्यक्तिहे परिवारसँग पुनर्मिलन कराइल बटैलै ।

हाल सहारा घरमे महिला, बालबालिका तथा पुरुष सहित एक सयसे ढेर असहाय व्यक्ति आश्रय लेटी रहल बटै । आश्रयमे रहल व्यक्तिके दैनिक खानपान, बसोबास, उपचार तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थापनके लाग ढेर स्रोत आवश्यक पर्ना रलेसे फेन सहारा घरसे सरकारसे नियमित ओ ठोस अनुदान सहयोग प्राप्त करे सेकल नैहो ।

सरकारी सहयोगके अभावके बाबजुद सहारा घरसे देश तथा विदेशमे रहल नेपाली तथा टमान सहयोगी मन रहल व्यक्तिसे प्राप्त सहयोगके आधारमे आपन सेवा सञ्चालन कैटी आइल बा । सडकमे बेवारिसे अवस्थामे रहल व्यक्तिहे उद्धार कैके सुरक्षित आश्रय प्रदान कैना ओ सम्भव हुइलसम परिवारके खोजी कैके पुनर्मिलन करैना सहारा घरके अभियानसे पाछेक समय राष्ट्रियस्तरमे चर्चा पैटी आइल बा ।

सामाजिक सेवामार्फत असहाय ओ बेवारिसे नागरिकके जीवनमे आशाके सञ्चार करैना विष्टके निरन्तर प्रयासके सम्मानस्वरूप प्रदान करे लागल पुरस्कारसे सहारा घरके सेवाप्रति थप उत्साह ओ सामाजिक उत्तरदायित्व बह्रैना कहटी विष्टके मानवीय कार्यके प्रशंसा करल बा ।

निसर्गसे जेनजी शहिदके परिवारहे ३ लाख ५१ हजार सहयोग

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २५ भदौ । निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टरसे जेनजी शहिद गौरव जोशीके परिवारहे ३ लाख ५१ हजार रुप्या आर्थिक सहयोग करले बा ।

हस्पिटलके ओरसे शहिद गौरव जोशीके डाई गुन्ना जोशीहे ३ लाख ५१ हजार रुपैयाँके चेक हस्तान्तरण करल हो ।

हस्पिटलके अध्यक्ष तीर्थराज पन्त, बालरोग विशेषज्ञ डा. प्रदीप मिश्र ओ प्राध्यापक डा. हेमराज पन्तसे संयुक्त रूपमे गुन्ना जोशीहे चेक हस्तान्तरण करल रहिट ।

कार्यक्रममे प्राध्यापक डा. हेमराज पन्त, नागरिक समाजके अगुवा प्रमोद पाठक, कैलाली उद्योग वाणिज्य संघके अध्यक्ष पुष्कर ओझा, शहिद गौरव जोशीके डाई गुन्ना जोशी, निसर्ग हस्पिटलके अध्यक्ष तीर्थराज पन्तलगायत चिकित्सक तथा हस्पिटलके कर्मचारीहुकनके सहभागिता रहे ।

यिहे विच जेनजी आन्दोलनके क्रममे ज्यान गुमाइल शहिदहुकनके सम्झनामे हस्पिटलसे दीप प्रज्वलन करल रहे । परिवर्तन, सुशासन ओ उज्ज्वल भविष्यके आकांक्षासहित पोहोर साल भदौ २३ गते हुइल जेनजी आन्दोलनके क्रममे ज्यान गुमाइल ज्ञात-अज्ञात शहिदहुकनके स्मरणमे कार्यक्रम आयोजना करल हो ।

कार्यक्रममे सहभागीहुक्रे जेनजी आन्दोलनके क्रममे ज्यान गुमाइल शहिदहुकनप्रति श्रद्धाञ्जली अर्पण करटी ओइनके योगदान ओ बलिदानहे स्मरण करल रहे ।

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ५ गौरीशंकर टोल स्थित कित्ता नं. ३०६ क्षेत्रफल १५६.६ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री माया कुन्जेडाले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: अशोक कुँवर — पश्चिम: सडक
उत्तर: रुविनाकुमारी रावल रोकाया — दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १ पुष्पलाल चोक स्थित कित्ता नं. ५९५, ५९६ क्षेत्रफल २५६.२५ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री मिनाकुमारी डंगौराले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: सडक — पश्चिम: नाला
उत्तर: दिपेन्द्र सोब — दक्षिण: सन्तोष लामिछाने

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ५ तारानगर स्थित कित्ता नं. ६५ क्षेत्रफल ४०८.२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री केशवबहादुर मल्लले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: हर्षराज भण्डारी — पश्चिम: हेमराज भट्ट
उत्तर: सडक — दक्षिण: वासुदेव जोशी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ८ स्थित कित्ता नं. ८३९ क्षेत्रफल २२०.१० वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री सनतबहादुर सिंहले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: सृजनाकुमारी ओझा, खेमबहादुर बोहरा — पश्चिम: सडक
उत्तर: धर्मराज गिरी — दक्षिण: मिनाकुमारी चौधरी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

"लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार"

बदलल राजनीतिक परिदृश्य

विचार
नारद गौतम

भदौ २३ अर्थात् 'जेनजी सहिद दिवस'रु नेपाल सरकार मन्त्रीपरिषद्के २०८३ भदौ १८ गतेके निर्णय अनुसार यी दिनहे परिवर्तनके नवबिहान सम्झटि देशभर सार्वजनिक बिदा डेहल । ठिक एक वर्षआघे यिहे दिन माइतीघर, बबरमहल ओ नयाँ बानेश्वरके संसद् भवनआगे नवयुवा (जेनजी) के आवाज गुन्जल । उहाँहुकनके हातमे कौनो सत्ता छिन्ना हतियार नैरहे, ना टे मनमे राजनीतिक महत्वाकांक्षा । उ कलिला युवाके चित्कार केवल व्याप्त भ्रष्टाचार, थिचोमिचो ओ बेथितिविरुद्धके रहे ।

राज्यके हरेक संयन्त्रमे मौलाइल दलीय भागबन्डा, क्षमतावान् युवाहे पाखा लगैना, राजनीतिक हस्तक्षेप ओ नागरिकहे आधारभूत सेवा लेना फेन बिचौलियाके शरण करेपरना कहालीलग्ना बाध्यतासे उहाँहुकनके धैर्यके बाँध भस्कल रहे । भारीभारी भ्रष्टाचारके काण्डमे राजनीतिक नेतृत्वके संरक्षण देख्के निराशामे परल नयाँ पुस्ता अपन भविष्यके रक्षाके लाग उ शान्तिपूर्ण विद्रोहके डगर रोजल रहे । अपन ओज्रार भविष्य ओ देशके मुहार फेरना अमूल्य जीवन आहुति डेना उ वीर सहिदप्रति भावपूर्ण श्रद्धाञ्जलीरु! उहाँहुक्रे बारल परिवर्तनके यो दीपसे नेपाली शासनव्यवस्थाहे सदैव पारदर्शी, निष्पक्ष ओ जनउत्तरदायी बनैना प्रेरणा डेहल बा ।

सवारी लाइसेन्स, राहदानी, नागरिकता आदि सहजे नैपाइल ओ हरेक ठाउँमे बिचौलियाके सहयोग लेहेपरना बाध्यता रहे । युवापुस्तासे अपन विचार व्यक्त करना ओ सरकारहे खबरदारी करना माध्यमके रूपमे प्रयोग करटि आइल सामाजिक सञ्जालउप्पर नियन्त्रण वा प्रतिबन्ध लगैना प्रयास हुइल । यिहिनहे युवासे अपन अभिव्यक्ति स्वतन्त्रताउप्परके प्रहार मन्नारु देशभित्रे रोजगार तथा उद्यमशीलताके वातावरण नैहुइना ओ दैनिक हजारौँके संख्यामे युवा बिदेसिन बाध्य हुइन राज्यप्रति युवाके विश्वास टुटल । बबरमहलके प्रदर्शन पारदर्शी शासन, जवाफदेहिता ओ प्रणालीगत सुधारके माग करटि सडकमे उत्रल युवापुस्ताके विद्रोह रहे । लम्मा समयसम एक अनुहार ओ सीमित व्यक्तिके वरपर सत्ता घुमलपाछे उत्पन्न चरम निराशाके विस्फोट रहे– जेनजी विद्रोहरु भदौ २३ गते प्रदर्शनमे उत्रल हजारौँ युवाउप्पर गोली बर्सैना काम हुइल, दमन हुइल ओ ओहे दिन १९ युवा शहादत प्राप्त करलैं । ओकर आक्रोश भदौ २४ मे राजधानीसहित देशके टमान ठाउँमे पोखल ।

नयाँ बानेश्वरस्थित संघीय संसद् भवन, सिंहदरबार, सर्वोच्च अदालत, राष्ट्रपति भवन, भैँसेपाटीके मन्त्री निवास तथा सुरक्षा निकायके भवन तथा कार्यालय जरके ध्वस्त हुइल । तत्कालीन प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओली प्रधानमन्त्री निवास बालुवाटारसे हेलिकोप्टर चह्रके बाहिरे परल कलेसे सत्ता साझेदार दल नेपाली कांग्रेसके तत्कालीन सभापति शेरबहादुर देउवा ओ उहाँक पत्नी एवं परराष्ट्रमन्त्री डा. आरजु राणा देउवाउप्पर सांघातिक आक्रमण हुइल लुटपाट हुइल ओ घर जरागिल । सत्तारूढ दलके नेता, मन्त्रीसे भागके ज्यान जोगैलैं । अर्बौंके भौतिक संरचनामे क्षति हुइल । नवयुवाके शान्तिपूर्ण प्रदर्शनसे देशव्यापी उग्ररूप लेहल । उ विद्रोहसे सत्ता परिवर्तन करल, प्रधानमन्त्री ओली पदसे राजीनामे डेना बाध्य हुइ परल, समयअगावे प्रतिनिधि सभा विघटन हुइल । देशमे राजनीतिक अस्थिरता ओ अन्योलके बादल मडारल । पुरान राजनीतिक नेतृत्वविरुद्धके असन्तोष निर्णायक मोडमे पुगल । आन्दोलन उग्र बनलपाछे प्रधानमन्त्री ओलीके राजीनामा आइल ओ नयाँ राजनीतिक निकासके खोजी सुरु हुइल ।

संक्रमणकालीन व्यवस्थापन

युवाके मागहे सम्बोधन करना, संविधान सभासे बनल नेपालके संविधानके रक्षा करना, देशहे बाह्रय हस्तक्षेपसे बचैटि शान्तिपूर्ण निकास दिन पूर्वप्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्कीके नेतृत्वमे २०८२ भदौ २७ गते नयाँ सरकार गठन हुइल । राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेलके पहलमे हुइल अन्तरिम सरकार गठनपाछे छ महिनाभित्रे प्रतिनिधि सभाके निर्वाचन २०८२ फागुन २१ गते करना घोषणा हुइल । आन्दोलनपाछेक सुरक्षा तथा प्रशासनिक संकट व्यवस्थापन करना प्रयास तीव्र बनल । राज्य संयन्त्र पुनः सञ्चालन ओ शान्तिसुरक्षा कायम करना तत्कालीन प्रमुख चुनौती बनल । प्रधानमन्त्री कार्कीके नियुक्तिसँगे नेपालके राजनीतिमे नयाँ संक्रमण सुरु हुइल । राजनीति नयाँ दिशाओर मोरल, हिंसात्मक आन्दोलन आब टेबुलके वार्तामे केन्द्रित हुइल ।

आन्दोलनमे मृत्युवरण करल योद्धाहे सहिद घोषणा करना प्रक्रिया आगे बह्रल । मृतकके परिवार ओ घाहिलहे राहत ओ उपचारके व्यवस्था करगिल । आन्दोलनकारीके माग सम्बोधन करना राज्यके औपचारिक प्रक्रिया सुरु हुइल । सरकार भदौ २३ ओ २४ के घटनाके छानबिन करना उच्चस्तरीय जाँचबुझ आयोग गठन करल । आयोगहे राज्यपक्षसे हुइल बल प्रयोग तथा ओकरपाछेक हिंसा, आगजनी ओ क्षतिके अध्ययन करना जिम्मेवारी डेहल । आन्दोलनके घटनाहे राजनीतिक नारासे कानुनी तथा संस्थागत छानबिनके विषयमे रूपान्तरण करल । सरकार ओ जेनजी प्रतिनिधिबिच १० बुँदे सम्झौता हुइल । सम्झौतामे आन्दोलनहे जनआन्दोलनके रूपमे स्वीकार करना, संविधान तथा निर्वाचन प्रणाली सुधार, डिजिटल अधिकार ओ जेनजी परिषद्लगायतके विषय समोटल । युवासे उठाइल मागहे राजनीतिक तथा संस्थागत प्रक्रियामे लैजैना महत्वपूर्ण प्रयास हुइल । यिहे क्रममे सरकारसे भदौ २३ ओ २४ गतेके घटनामे ज्यान गुमैनाके ४५ जहनहे सहिद घोषणा करल बा ।

> सरकारसे भाषणसे परिणाममे जोड डेटि संकटमे संयमता देखाइल बा। रास्वपा सभापति लामिछानेके पहलमे बोलाइल सर्वदलीय बैठक, सुनसरीमे भड्कल धार्मिक सद्भाव कायम करना लेहल द्रुत कदम ओ रसुवाके भोटेकोशी बाढ विपत्मे देखाइल तीव्र उद्धार तथा राहत वितरणसे सरकारके कार्यकुशलता उजागर करल बा। सुरुके दिनमे संसद्मे प्रधानमन्त्रीके उपस्थितिके माग करटि विपक्षी दलसे नाराबाजी हुइलेसे फेन संकटके समयमे प्रधानमन्त्री शाह राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेलसँग नियमित परामर्श करनासे लेके संसद्मे प्रभावकारी सम्बोधन करलसे राजनीतिक परिपक्वताके सन्देश प्रवाह हुइल बा। सरकारके काम कराइसे अन्तर्राष्ट्रिय सद्भाव अभिवृद्धि हुइनाके साथे दलीय विभाजनसे उप्प्र उठके राष्ट्रिय एकता कायम करना खेलल भूमिकासे नवीन आशा जगाइल बा।

रूपान्तरण ओ ध्रुवीकरण

नेकपा (एमाले) के ११ औँ महाधिवेशनसे विसं २०८२ पुस २ गते केपी शर्मा ओली पुनः अध्यक्ष निर्वाचित हुइना मने जेनजी आन्दोलनसे उठैना नेतृत्व रूपान्तरण ओ हस्तान्तरण मुद्दासे खासे सम्बोधन करे नैसेकल । ओहोर नेपाली कांग्रेसके दोसर विशेष महाधिवेशन २०८२ पुस २७ से ३० सम काठमाडौँके भृकुटीमण्डपमे हुइल । पार्टी सुधार, नीतिगत रूपान्तरण ओ पुस्तान्तरणके मुद्दासहित हुइल महाधिवेशनसे गगनकुमार थापाहे पार्टी सभापतिमे सर्वसम्मत निर्वाचित करल । २०४८ सालसे निरन्तर सत्तामे रहल नेता कांग्रेसके नेतृत्वसे बाहिरल २०६२/६३ के आन्दोलनमे उदाइल युवा नेताके हातमे कांग्रेसके नेतृत्व पुगल । यी कांग्रेसभित्तरके भारी ओ साहसिक विद्रोह अर्थात् नेतृत्व रूपान्तरण रहे ।

२०८२ पुस १३ राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टीके सभापति रवि लामिछाने ओ तत्कालीन काठमाडौँ महानगरपालिकाके प्रमुख वालेन्द्र शाह (बालेन) बिच सातबुँदे सहमति हुइल । सहमतिमे जेनजी आन्दोलनके मुद्दा तथा मागहे अपनत्व लेना ओ सहिद परिवार तथा घाहिलहे सम्बोधन करना, शाहहे भावी प्रधानमन्त्रीके उम्मेदवारके रूपमे आगे सरना ओ लामिछानेहे पार्टी सभापति बनैनालगायत रहे । यिहिनसे निर्वाचनपूर्व राजनीतिक समीकरणमे भारी परिवर्तन नानल । अन्य दलमे फेन नेतृत्व हस्तान्तरण ओ रूपान्तरणके मुद्दा उठल मने सुनुवाइ नैहुइल । निर्वाचन लग्गे हुइल कारणसे नयाँ तथा पुरान राजनीतिक शक्ति निर्वाचनके तयारीमे केन्द्रित हुइल । जेनजी आन्दोलनसे उत्पन्न राजनीतिक असन्तुष्टि निर्वाचनमार्फत मतमे रूपान्तरण करना प्रतिस्पर्धा सुरु हुइल ।

बदलल जनादेश

२०६२/६३ के आन्दोलनपाछे नेकपा (माओवादी), नेपाली कांग्रेस ओ नेकपा (एमाले) देशके भारी दलके हैसियतमे सरकारके नेतृत्व करटि आइलमे २०८२ फागुन २१ मे हुइल निर्वाचनमे पुरान दलसे भारी चोटिलो हार बेहोरे परल । मधेशकेन्द्रित टमान दल टे प्रत्यक्षओर एक स्थानमे फेन विजय हासिल करे नैसेकल । यी निर्वाचनमे रवि–बालेनके नेतृत्वमे भारी जनलहर आइल, 'चुपचाप घण्टी छाप' कना अभियानसे झन्डे दुई तिहाइ मत नान्के रास्वपा पहिल शक्तिके रूपमे उदाइल । जनतामे नयाँ आशा ओ विश्वासके दिया जगायल । यी संविधानबाट बहुमतके सरकार बने नैसेकल कना भाष्य फेन बदलल ।

प्रतिनिधि सभाके कुल २७५ सांसदमध्ये ७३ जाने (करिब २६.५ प्रतिशत) २५ से ४० वर्ष उमेर समूहके युवा निर्वाचित हुइल । रास्वपा ओ नयाँ दलसे निर्वाचित सांसदमे युवाके बाहुल्य डेखाइल । विद्रोहपाछेक निर्वाचन भर शान्तिपूर्ण अर्थात् रक्तपातविहीन हुइल, यी शुभ संकेत रहे– युवा देशमे लोकतान्त्रिक परिपाटीप्रति अगाध निष्ठा रहठ । रास्वपाके वरिष्ठ नेता ३६ वर्षीय वालेन्द्र शाह २०८२ चैत १३ गते प्रधानमन्त्री नियुक्त हुइलैं । जेनजी विद्रोहपाछेक राजनीतिक परिवर्तन निर्वाचनसे नयाँ नेतृत्वमे रूपान्तरण हुइल । अन्तरिम सरकारके प्रधानमन्त्री कार्की सहज रूपमे नेतृत्व हस्तान्तरण करलैं । देश नयाँ निर्वाचित सरकार पाइल, लिकसे बाहिर गैल संविधान सही ठाउँमे आइल । नयाँ राजनीतिक शक्तिके नेतृत्वमे संघीय सरकार सञ्चालनमे आइल । २०८२ चैत १९ गते नयाँ प्रतिनिधि सभाके पहिल बैठक बैठलरु आन्दोलनपाछे विघटित संसद्के स्थानमे निर्वाचित संसद् औपचारिक काम सुरु करल ।

शासकीय सुधारके जग

प्रधानमन्त्री शाह नेतृत्वके सरकार पदभार ग्रहणलगत्ते सार्वजनिक करल 'एक सयदिने सुशासन तथा शासकीय सुधार कार्यसूची' से नयाँ शासकीय शैलीके अनुभूति कराइल । सरकारके प्राथमिकता प्रशासनिक चुस्तता, डिजिटल सुशासन, भ्रष्टाचार नियन्त्रण ओ सामाजिक रूपान्तरण बनल । संघीय मन्त्रालय २२ से घटाके १८ कायम करल कलेसे निजामती कर्मचारी, शिक्षक ओ प्राध्यापकहे दलीय भ्रातृ संगठन ओ ट्रेड युनियनमे संलग्न हुइना बन्देज लगाइल । राष्ट्रसेवकहे पाक्षिक (१५–१५ दिन) मे तलब ओ अनावश्यक समिति ओ बोर्ड खारेजी जस्टे कदमसे खर्च कटौतीमे मद्दत पुगैले बा । राहदानी, नागरिकता ओ लाइसेन्स घर घरमे कुरियरमार्फत पुगैना व्यवस्था, 'नागरिक एप' मार्फत अनलाइन प्रमाणपत्र ओ अनिवार्य अनलाइन 'अपोइन्टमेन्ट' से 'फेसलेस' ओ 'पेपरलेस' सेवा प्रवर्धन करल ।

विसं २०४८ यहोरके उच्चपदस्थके सम्पत्ति छानबिन करना उच्चस्तरीय आयोग, जेनजी आन्दोलनके सहिद ओ घाहिलहे एकीकृत राहत प्याकेज, शंकास्पद कारोबार नियन्त्रण करना 'रेड फेल्याग' प्रणाली ओ बेटिङ एपउप्परके प्रतिबन्ध लगैना घोषणा हुइल । आर्थिक क्षेत्रमे दुई दिनमे स्टार्टअप दर्ता, विदेशी लगानीके लाग एकल विन्दु सेवा ओ भारी आयोजनाके अनुगमनमे 'पिएम डेलिभरी युनिट' गठन, अस्पतालमे विपन्नके लाग १० प्रतिशत निःशुल्क बेड, कक्षा ५ सम आन्तरिक परीक्षा अन्त्य ओ विद्यालयमे दलीय विद्यार्थी युनियन प्रतिबन्धसे शिक्षा ओ स्वास्थ्यक्षेत्रमे दीर्घकालीन *(बाँकी ३ पेजमे)*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालिय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, बिद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३११२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

माटी भिटर ११ सय ४८ शव : प्रहरीके प्रयोगशालामे सुरु कैगिल डीएनए जाँच

काठमाडौँ, २५ भदौ । भोटेकोशीके बाढमे परके ज्यान गुमाइलहुकनके शव गारके धमाधम व्यवस्थापन कैजैटी बा ।

भदौ १० मे तिब्बओरेके ल्हेन्दे खोलाके बहाव अचानक बढ्लसंगे रसुवाके भोटेकोशी ओ त्रिशुलीमे अप्रत्याशित बाढ आइल रहे । बाढमे परके अभिनसक १३ सय ७४ जानेक मृत्यु हुइल बा । सुरक्षाकर्मीहुकनके भोटेकोशी, त्रिशुली ओ नारायणीके किनारसे शव संकलन करल हुइट ।

प्रहरी प्रधान कार्यालयके अनुसार भोटेकोशी बाढमे परल ४ हजार ७७ जाने अभिन सम्पर्कविहीन बटैं । शव सरके संक्रमण फैले सेक्ना आकलन करटी सरकारसे गारके शवहे सुरक्षित भण्डारण करटी रहल बा । भोटेकोशीसे पुहाके लैगिल शव भेटल धादिङ ओ चितवन हुइटी पश्चिम नवलपरासीलगायत जिल्लामे शव गारके व्यवस्थापन करल बा ।

काठमाडौँ, नुवाकोट, चितवन, नवलपरासी पूर्व, नवलपरासी पश्चिम, गोरखा, पाल्पा ओ कास्कीमे शव गारल बटै ।

सुरक्षाकर्मीहुक्रे सुरुमे शव पखालके पहिचानके प्रयास करठै । पहिचान नैहुइल शवके पूर्ण ओ अन्य भागके फोटु खिचके लासजाँच मुचुल्का करठै । शव गरना आघे कम्तीमे ५ थान फोटु अनिवार्य लेहेपर्ना प्रहरी प्रवक्ता (डीआईजी) अबि नारायण काफ्ले बटैलै । ओकरपाछे फोटु प्रहरीके वेबसाइटमे अपलोड करजाइठ । पहिचानके लाग उ फोटु अपलोड करल हो । ओकरपाछे डीएनए कैना नमुना संकलन करके शव सुरक्षित व्यवस्थापनके लाग गरना करजाइठ । हालसम ११४८ ठो शव गारल डीआईजी काफ्ले बटैलै । बाढसे पुहाके

मृत्यु हुइल १०२ जानेक केल्ह शव सनाखत हुइल बा ।

सनाखत नैहुइल शव प्रहरीसे विशेष झोला 'एयर टाइट ब्यागमा'मे प्याक करके गरना करल बा । शव गरजना आघे डीएनए जाँचके लाग नमुना लेजाइठ । डीएनएके नमुना ओ शव प्याक करल झोलामे एक्के नम्बरके ट्याग राखजाइठ । जिल्ला प्रहरी परिसर काठमाडौँके एसएसपी दिलिप घिमिरेके अनुसार डीएनए स्याम्पल ओ शवके संकेत नम्बर समान रहठ, व्यवस्थापन करलपाछे पिल्लरमेफे ट्याग नम्बर राखजाइठ । मृतकके परिवारके डीएनएसंग नमुना मिल्लेसे शव उत्खनन करके हस्तान्तरण करल एसएसपी घिमिरे बटैलै ।

काठमाडौंके गोकर्णेश्वर नगरपालिका–७ स्थित दक्षिणढोकाके बन क्षेत्रमे २३१ ठो शव गारल बा । रसुवा, नुवाकोट ओ धादिङसे ल्यानल शव त्रिवि शिक्षण अस्पतालमे पोस्टमार्टम करलपाछे दक्षिणढोका वन क्षेत्रमे रहल सेनाके ब्यारेक रहल क्षेत्रमे गारल हो । भदौ १५ मे वहाँ ४६ ठो शव गारके सुरक्षित भण्डारण सुरु करल रहे ।

चितवनस्थित नारायणी लडियामे भेटल ३६३ मध्ये १४ शवके पहिचान खुलल बा । पहिचान नैखुलल ३४९ ठो शव गारल जिल्ला प्रहरी कार्यालय चितवनके डीएसपी चन्द्रभुषण यादव बटैलै । चितवनके देवघाट वन क्षेत्रमे शव गारके व्यवस्थापन करल बा । बुधके चितवनमे एक ठो शवके गोरके भाग भेटल डीएसपी यादव जानकारी डेलै ।

रसुवामे १७८ शव भेटल हुइलेसेफे वहाँ शव गारल नैहो । रसुवाके डीएसपी अशोक थापाके अनुसार वहाँ भेटल शव व्यवस्थापनके लाग नुवाकोटमे पठाइल बा । रसुवासे ल्यानल ५६ ठो शव बिफेक रोज विदुर नगरपालिका–६ मे गारके व्यवस्थापन करल नुवाकोटके एसपी विपिन रेग्मी जानकारी डेलै । उहाँ कहलै, 'आजसे शव गारे लागल बटी, रसुवासे ल्यानल ५६ ठो ओ नुवाकोटमे भेटल एक ठो शव गारके व्यवस्थापन करल बा ।'

कास्कीके पोखरा महानगरपालिका–१६ स्थित उपल्लो दिप सिसौघारी स्थित सिञ्चाइके सरकारी जंगलमे २५ ठो, नवलपरसी पूर्वके कावासोती नगरपालिका–३ अठ्ठाइस बिघास्थित ज्योति कुञ्ज सामुदायिक वनमे १०५ ठो ओ देवचुली नगरपालिका–१ स्थित दिव्य मध्यवर्ती सामुदायिक वनमे ५५ ठो शव गारके व्यवस्थापन करल बा ।

पश्चिम नलवरासीस्थित नारायणीके किनारमे भेटल ८ ठो शव पाल्पामे लैजाके व्यवस्थापन करल बा । तानसेन नगरपालिका–१ च्यानडाँडस्थित सार्वजनिक जंगलमे ८ ठो शव गारके भण्डारण करल पाल्पाके एसपी दिपेन्s पञ्जियार थारू जानकारी डेलै ।

गोरखाके ६७ ठो शव गारके व्यवस्थापन करल बा । भेटल ७७ ठो शवमध्ये ६ ठो के सनाखत हुइल ओ अन्य शव सहिद लखन गाउँपालिकाके बुंकोट घाट ओ गोरखा नगरपालिका–१२ के अबुवाघाटमे गारके व्यवस्थापन करल गोरखाके डीएसपी राजकुमार श्रेष्ठ जानकारी डेलै ।

प्रहरीसे सुरु करल डीएनए जाँच

पहिचान नैहुइल शवके डीएनए जाँच सुरु करल बा । प्रहरीके केन्ीय विधि विज्ञान प्रयोगशलामे डीएनए परिक्षण सुरु करल हो । संकलिन नमुनासे डीएनए जाँच सुरु करल विधि विज्ञान प्रयोगशालाके एसएसपी योग बहादुर पाल बटैलै । शवसे संकलित नमुना ओ एकाघरके परिवारसे लेहल रगतके नमुना परीक्षण करके पहिचान कैना डीएनए करे लागल हो । काठमाडौँमे प्रहरी अस्पतालसे परिवारके सदस्यहुकनके डीएनए प्रोफाइलिङ करटी रहल बा । प्रहरीसे काठमाडौँ बाहेरसेफे सम्पर्कविहीन हुइलहुकनके परिवारके सदस्यहुकनके रगत संकलन करके डीएनए परिक्षणके लाग उ नमुना काठमाडौँमे ल्यानल बा ।

शवसे निकारल स्याम्पल ओ परिवारके सदस्यहुकनके डीएनए प्रहरीके प्रयोगशाला बाहेक खुमलटारस्थित राष्ट्रिय विधि विज्ञान प्रयोगशालामेफे जाँच कैना तयारी बा । डीएनए म्याच हुइलेसे परिवारहे गारल शव निकारके हस्तान्तरण कैना काठमाडौँके एसएसपी घिमिरे बटैलै । उहाँ कहलै, 'डीएनए म्याच हुइल अवस्थामे माटी भिटर भण्डारण करल शव निकारके परिवारहे बुझैबी ।

बदलल राजनीतिक...

सुधारके जग बैठल बा ।

नयाँ राजनीतिक संस्कार

सरकारी साधनस्रोतके दुरुपयोग रोक्न मन्त्री सरकारी खर्चमे पार्टी कार्यक्रममे जाइ नैपैना, राजनीतिक भेटवार्ता पारदर्शी करना ओ दलके बैठक सरकारी कार्यालयमे नैकरना परिपाटी बैठागिल । अत्यावश्यकबाहेकके विदेश भ्रमणमे रोक, भषणसे काममे जोड, कानुन निर्माणमे तत्परता ओ राष्ट्रिय गौरवके आयोजनामे आघेक सरकारके मजा कामहे निरन्तरता डेहल । सार्वजनिक निकाय तथा राजदूत नियुक्तिमे समेत दलीय भागबन्डा अन्त्य कैके खुला प्रतिस्पर्धात्मक प्रणाली लागु करल ।

सरकारसे भाषणसे परिणाममे जोड डेटि संकटमे संयमता देखाइल बा । रास्वपा सभापति लामिछानेके पहलमे बोलाइल सर्वदलीय बैठक, सुनसरीमे भड्कल धार्मिक सद्भाव कायम करना लेहल द्रुत कदम ओ रसुवाके भोटेकोशी बाढ विपत्मे देखाइल तीव्र उद्धार तथा राहत वितरणसे सरकारके कार्यकुशलता उजागर करल बा । सुरुके दिनमे संसद्मे प्रधानमन्त्रीके उपस्थितिके माग करटि विपक्षी दलसे नाराबाजी हुइलेसे फेन संकटके समयमे प्रधानमन्त्री शाह राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेलसँग नियमित परामर्श करनासे लेके संसद्मे प्रभावकारी सम्बोधन करलसे राजनीतिक परिपक्वताके सन्देश प्रवाह हुइल बा । सरकारके काम कराइसे अन्तर्राष्ट्रिय सद्भाव अभिवृद्धि हुइनाके साथे दलीय विभाजनसे उप्पर उठके राष्ट्रिय एकता कायम करना खेलल भूमिकासे नवीन आशा जगाइल बा ।

संक्षेपमे भदौ २३ के जेनजी विद्रोह केवल एक राजनीतिक फेरबदल किल नैरहे, यी दशकौँसे मौलाइल दलीय सिन्डिकेट ओ भ्रष्टाचारविरुद्ध नेपाली युवापुस्तासे बालल चेतनाके राँको रहे । प्रधानमन्त्री शाह नेतृत्वके सरकारसे सुरुवाती एक सय दिनमे प्रशासनिक अनुशासन, डिजिटल सुशासन, दलीय भागबन्डाके अन्त्य ओ जनमुखी सेवा प्रवाहमे जोन जग बैठाइल बा, यिहिनसे सुशासनके स्पष्ट खाका बनल बा मने यी रूपान्तरणाके यात्रा अभिन चुनौतीपूर्ण बा । जेनजी सहिदके सपना ओ युवाके आकांक्षाहे सम्बोधन करटि विपत्पाछेक पुनर्स्थापना ओ आमनागरिकके भरोसाहे कायमे करना जरुरी बा । भदौ २३ से डेहल निष्पक्ष, पारदर्शी ओ जनउत्तरदायी शासनके सन्देशहे आत्मसात् करटि आगे बढ्हे सेक्लेसेकिल समृद्ध ओ न्यायपूर्ण नेपालके सपना साकार हुइल बा ।

साभार: कान्तिपुर दैनिकसे

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ५ हसनपुर स्थित कित्ता नं. १९५ क्षेत्रफल ९१९ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री नारद ढुंगानाले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः सडक | पश्चिमः लक्ष्मी शाही
उत्तरः तिर्थराज पन्त | दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ४ बोराडाँडी स्थित कित्ता नं. ७९३ क्षेत्रफल ५०७.९५ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री निर्मलाकुमारी पनेरुले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः खड्कबहादुर राना | पश्चिमः राजबहादुर सिंह
उत्तरः सडक | दक्षिणः शाही नेपाली जंगी अड्डा

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

आत्महत्या रोकथाम ओ जीवन रक्षाके लाग प्रभावकारी कदम चल्न मानव अधिकार आयोगके आग्रह

ललितपुर, २५ भदौ । राष्ट्रिय मानव अधिकार आयोगसे आत्महत्याहे गम्भीर मानव अधिकारके विषयके रूपमे लेटी यकर रोकथाम ओ नागरिकके जीवन रक्षाके लाग तत्काल प्रभावकारी पहल कैना सरकार तथा सरोकारवाला सक्कुहुनसंग आग्रह करले बा ।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस (सेप्टेम्बर १०) के सन्दर्भमे आयोगसे बिफे रोज एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करटी यैसिन अपिल करल हो ।

विश्वव्यापी रूपमे आत्महत्या रोकथामसम्बन्धी सचेतना अभिवृद्धि कैना उद्देश्यसे हरेक वर्ष यी दिवस मनैटी आइल बा । सन् २०२४ से २०२६ समके लाग तय करल 'आत्महत्याबारेके दृष्टिकोण परिवर्तन करी' (चेन्जिङ द न्यारेटिभ अन सुसाइड) कना मूल विषयवस्तु ओ 'संवाद सुरु करी' कना आह्वानहे व्यवहारमे उटर्ना आयोग विशेष जोड डेले बा ।

नेपालमे आत्महत्याके अवस्था बहुट डरलग्टी बन्टी गैल कहटी आयोगसे प्रहरी तथ्यांक उद्धृत करटी बा । जेम्ने अनुसार पछिल्का आर्थिक वर्ष २०८०/८१ मे केल्ह देशभर ७ हजार २२१ जानेक आत्महत्याके कारण मृत्यु हुइल बा कलेसे अघिल्का आर्थिक वर्षमे ६ हजार ८५२ ठो यैसिन घटना दर्ता हुइल रहिट । हरेक वर्ष हजारौँ नागरिकसे अकालमे ज्यान गुमाई परल अवस्थाप्रति आयोगसे गम्भीर चिन्ता व्यक्त करले बा ।

आयोगके प्रवक्ता तथा सहसचिव डा.टीकाराम पोखरेलसे जारी विज्ञप्तिमे मानसिक तनाव, चिन्ता, निराशा, घरेलु तथा लैङ्गिक हिंसा, दीर्घकालीन मानसिक समस्याके साथे आर्थिक संकट, गरिबी ओ बेरोजगारीके कारण यैसिन घटना बढ्टी रहल बटैलै ।

आयोगसे आत्महत्या केवल मानसिक स्वास्थ्यके विषय केल्ह नैहुके व्यक्तिके जीवन, मर्यादा, स्वास्थ्य, सुरक्षा ओ सम्मानपूर्वक बाँचे पैना अधिकारसँग प्रत्यक्ष जोरल गम्भीर मानव अधिकारके सवाल हुइल स्पष्ट पारल बा ।

आत्महत्या जैसिन गम्भीर समस्यासे नागरिकके जीवन जोगैना 'आत्महत्याबारे मौन नरही, संवाद सुरु करी कना सन्देशहे प्रभावकारी कार्यान्वयन कैना आयोगसे ध्यानाकर्षण करैले बा । यकर लाग मानसिक संकटमे परल व्यक्तिहुकनहे सुन्न, बुझ्न ओ आवश्यक सहयोग कैना वातावरण निर्माण करेपर्नामे जोड डेले बा ।

साथे, आत्महत्याके प्रयाससे बाँचल व्यक्ति तथा आफन्त गुमाइल परिवारउप्पर हुइना लाञ्छना, दोषारोपण ओ सामाजिक बहिष्कारजैसिन कार्यहे निरुत्साहित करटी ओइनके आत्मसम्मान, गोपनीयता ओ मर्यादा कायम धारके आवश्यक सहयोग उपलब्ध करैना आयोगसे नेपाल सरकार ओ सम्बद्ध सक्कु पक्षहे आग्रह करले बा ।

भीरसे गिरकेर किशोरके मृत्यु

बैतडी, २५ भदौ । बैतडीके सिगास गाउँपालिकामे भीरसे गिरके एक किशोरके मृत्यु हुइल बा कलेसे एक युवक गम्भीर घाहिल हुइल बटै ।

सिगास गाउँपालिका–९, चौखाम चौपाता घर रहल अन्दाजी १७ वर्षीय अनिल विकके सेकुनाडी भीरसे गिरके मृत्यु हुइल हो । बझाङके देउलेकसे सामान लेके घर अइनाक्रममे बुधके साँझ करिब ७ बजे भीरसे गिरके करिब डेढ सय मिटर टरे गिरल विकके घटनास्थलमे मृत्यु हुइल वडाध्यक्ष कृष्ण धामी बटैलै ।

उदयदेव माध्यमिक विद्यालय, गन्सुरमे कक्षा १० मे अध्ययनरत विकके कलिले उमेरमे मृत्यु हुइलपाछे चौखाम गाउँ शोकमे डुबल बा । ओस्टके, सिगास गाउँपालिका–७, थला निवासी अन्दाजी ३७ वर्षीय उद्धवसिंह धामी भीरसे गिरके गम्भीर घाहिल हुइल बटै । बझाङके देउरासे सामग्री लेके घर जैना क्रममे बोरीगाउँ लग्गेक डगराउप्पर भीरमे भारी ठोक्कलपाछे गिरके सेती लडियाके किनारमे पुगल धामीके धनगढीमे उपचार हुइटी रहल स्थानीय सूर्यबहादुर बोहरा बटैलै ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी–५) सम्पर्क नं. ०९१–५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

नौ पालिकासे मानवअधिकार समन्वय समिति गठन

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २५ भदौ । नेपाल सरकारसे कार्यान्वयनमे लानल मानवअधिकारसम्बन्धी छैटौं राष्ट्रिय कार्य योजना कार्यान्वयन कैना घरी घरी ताकेता करलेसे फेन सुदूरपश्चिमके स्थानीय अधिकांश तहसे चासो डेखाइल नैहुइट ।

प्रदेशके ८८ स्थानीय तहमध्ये नौ पालिका किल हालसम कार्य योजनाअनुसारके समन्वय समिति गठनमे चासो डेखाइल पाइल हो । राष्ट्रिय मानवअधिकार आयोग, सुदूरपश्चिम प्रदेश कार्यालयके अनुसार प्रदेशके चार जिल्ला दार्चुला, बाजुरा, बझाङ ओ डडेलधुराके कौनो फेन स्थानीय तहसे कार्ययोजनाअनुसार समिति गठन कैना काम आघे बह्राइल नैहो । बाँकी पाँच जिल्लाके नौ स्थानीय तहसे किल समिति गठन करल जानकारी करैले बटैं ।

हालसम प्रदेशके नौ जिल्लामध्ये कञ्चनपुर जिल्ला समन्वय समितिसे किल समिति गठन करल आयोगके प्रदेश कार्यालयके मानव अधिकार अधिकृत विदेशराम चौधरी जानकारी डेलै । ओस्टके, ८८ पालिकामध्ये कञ्चनपुरके चार, अछामके दुई, बैतडी, कैलाली ओ डोटीके एक/एक सहित नौ पालिकामे किल समिति गठन करल विवरण रहल बा ।

उ पालिकामे कञ्चनपुरके दोधाराचाँदनी, पुनर्वास, बेलौरी नगरपालिका ओ लालझाडी गाउँपालिका, अछामके चौरपाटी ओ रामारोशन गाउँपालिका, बैतडीके मेलौली, कैलालीके भजनी नगरपालिका ओ डोटीके बडिकेदार गाउँपालिकामे किल समन्वय समिति गठन हुइल बावै । बाँकी आठ जिल्ला समन्वय समिति, ७८ पालिकासे ओइसीन संयन्त्र निर्माणबारे कौनो पहल करल बारे जानकारी नैआइल ओ दार्चुलाके मार्मा गाउँपालिकासे समिति गठन प्रक्रियामे रहल मानवअधिकार अधिकृत चौधरी बटैलै ।

आयोगके परिपत्र, पालिकाके बेवास्ता

मन्त्रिपरिषद् बैठकसे गत असार २४ गते मानवअधिकारसम्बन्धी छैटौं राष्ट्रिय कार्य योजना (२०८३/८४–२०८७/८८) स्वीकृत कैके कार्यान्वयनमे लानल हो ।

कार्य योजनाले संघ, प्रदेश, जिल्ला ओ स्थानीय तहहे मानवअधिकार संरक्षण तथा प्रवर्द्धनके लाग स्पष्ट जिम्मेवारी तोकल बा । ओहे अनुसार आयोगके प्रदेश कार्यालयसे प्रदेशके नौ जिल्ला समन्वय समिति, ८८ स्थानीय तहके प्रमुख/अध्यक्ष ओ प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतहे परिपत्र करल रहे ।

परिपत्रमा कार्य योजनाके व्यवस्थाअनुसार समिति गठन कैके ओकर प्रगति १५ दिनभिट्रे जानकारी करैना आग्रह करल ७८ स्थानीय तहसे उ बारे कौनो चासो नैडेहल पाइल हो । प्रदेश कार्यालय प्रमुख सहसचिव प्रकाशदत्त भट्टके अनुसार कार्य योजनासे मानवअधिकारहे छुट्टै कार्यालय वा आयोगके विषयके रूपमे किल नैहोके स्थानीय सरकारके नियमित योजना, बजेट, सेवा प्रवाह ओ विकास प्रक्रियाके हिस्सा बनैले बा ।

उहाँ कहलै, “ओकर लाग सक्कु तहमे समन्वय समिति गठनके विषयहे महत्वके साथ व्यवस्था करल बा । उहीसे आपन क्षेत्रके समग्र मानवअधिकारके स्थिति मूल्यांकन ओ कार्य योजना कार्यान्वयनके नेतृत्व करठ् ।” छैटौं राष्ट्रिय कार्य योजनासे शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य तथा आवासके अधिकार, श्रम तथा सामाजिक सुरक्षा, महिला तथा बाल अधिकार, वातावरण, न्याय प्रशासन, मानवबेचबिखन नियन्त्रण, सामाजिक समावेशीकरण ओ डिजिटल अधिकारलगायत १७ प्राथमिकता क्षेत्र समेटल बा ।

कार्ययोजनामे प्रदेश सरकारहे करिब १२२ ओ स्थानीय तहहे १०१ क्रियाकलापमे जिम्मेवार निकाय तोकल बा । उ जिम्मेवारी कार्यान्वयन कैना आधारभूत संयन्त्रसमेत अधिकांश स्थानीय तहमे नैबनके कार्य योजना कागजी दस्तावेजमे सीमित हुइना जोखिमतर्फ अपनेहुक्रे सुरुआतमे ध्यानाकर्षण कराइल कार्यालय प्रमुख भट्ट बटैलै ।

“मानवअधिकार संरक्षणके लाग राज्यसे कार्य योजना बनैले बा, ओम्ने स्थानीय सरकारहे महत्त्वपूर्ण भूमिका ओ जिम्मेवारी तोकल बा । इ बारेम आयोगसे परिपत्र करसेकल बा, मने यहाँके अधिकांश पालिकामे ओकर पहिल संस्थागत खुड्किलोके रूपमे रहल समन्वय समिति गठनसमेत हुइ सेकल नैहो । इ बारे फेनसे ध्यानाकर्षण कराइटी,” उहाँ कहलै ।

आयोगसे पहिल चरणमे लिखित पत्राचार, दोस्रो चरणमे पालिकाके प्रमुख/अध्यक्ष ओ प्रमुख प्रशासकीय अधिकृतहे फोनमार्फत जानकारी कराइल रहे । उ लगत्तै, स्थानीय तहके शिक्षा शाखा प्रमुखहे कार्ययोजनाबारे जानकारी प्रदान कैनाके साथे समिति गठनबारे जानकारी कराइल मानवअधिकार अधिकृत दैवज्ञराज न्यौपाने जानकारी डेलै । कार्य योजनासे परिकल्पना करल अनुसार हालसम प्रदेशस्तरीय समितिसमेत गठन हुइ नैसेकल उहाँ जानकारी डेलै ।

छैटौं राष्ट्रिय कार्य योजनासे प्रदेशमा प्रमुख सचिव, जिल्लामे समन्वय समिति प्रमुख ओ स्थानीय तहमे प्रमुख वा अध्यक्षके संयोजकत्वमे समन्वय समिति रहना व्यवस्था रहल बा । इ तीनु समितिसे बरसमे दुईचो प्रतिवेदन बुझाइ पर्ना व्यवस्था रहल बा । सरकारसे स्थानीय तहके कार्यसम्पादन, जबाफदेहिता, पारदर्शिता ओ सेवा प्रवाहके अवस्था वस्तुगत रूपमे मापन कैना कार्यान्वयनमे लानल ‘स्थानीय शासन कार्यसम्पादन मूल्यांकन प्रणाली (एलजिपिएएस)’ मे फेन मानवअधिकारसम्बन्धी राष्ट्रिय कार्य योजना कार्यान्वयनहे महत्त्वपूर्ण आधार मानल बा ।

बाजुराके महिलाहे धान कट्ना चटारो

बाजुरा, २५ भदौ । बाजुराके महिलाहे धान कट्ना चटारो हुइल बा । यहाँ बरसमे दुईचो धान खेती करजाइठ् । पहिलचो चैत–वैशाखमा ओ डोसरचो असारमे धान लगैना करजाइठ् ।

इ बेला चैत–वैशाखमे पाखो जमिनमे लगाइल धान पाक सेकल बा । मने, दिनानुदिन पानी परटी रहल ओरे पाकल धान कैसिक घरमे भित्र्याइना कना चिन्ता किसानहे परल बा । धानसँगे पैंरा समेत सुरक्षित राखे पर्ना हुइल ओरसे उहाँहुक्रे थप चिन्तित हुइल बटै ।

भदौके डोसर अँठ्वारसे पाके लागल धानबाली कैसिक घरमे भित्र्याइना कना चिन्ताके कारण यहाँके महिलाहे धान कट्ना चटारो परल हो । चैत–वैशाखमे पाखो जमिनमे लगाइल धान पाकके झरे लागलपाछे उहाँहुक्रे सकारेसे दिनभर धान कट्ना व्यस्त हुइना करल बटै ।

चैत–वैशाखके टन्टलापुर गर्मीमे लगाइल धान इ बेला पाकके लर्याइ लागल बा । उ धान कैसिक घरमे भित्र्याइना कना हतार हुइटी रहल बुढीगङ्गा नगरपालिका–१० के स्थानीय दुर्गा नेपाली बटैलै ।

उहाँ कहलै, “भदौमे प्रायः घरमे खाद्यान्नके फेन अभाव हुइना करठ् । उ अभाव टर्ना प्रायः चैत–वैशाखमे यहाँ पाखो जमिनमे धान खेती लगैना करठै ।” उहे धान अब्बे पाकल बा । धान पक्ना बेलामे पानी पर्ना हुइल ओरसे उहीहे घरमे भित्र्याइना समस्या हुइना करल नेपाली बटैलै ।

इ बेला हिमाली, स्वामिकार्तिक खापर, जगन्नाथ, गौमुल, बडीमालिका, बुढीगङ्गा, त्रिवेणी ओ खप्तड छेडेदहलगायतके पालिकामे पाखो जमिनमे लगाइल धानबाली पाकल बा । उ धान घरमे भित्र्याइना यहाँके किसानहे सकस हुइल बा ।

अविरल वर्षासँगे आइल बाढीपहिरोके कारण फेन किसानहे धान भित्र्याइना समस्या हुइल बा । घरसे उप्पर ओ डुर पाखो जमिनमे धान खेती लगाइल रहठ् । किसान धान काटके सपटके घरमे लन्ना करठै । अब्बे बाढीपहिरोके कारण डगरा बिग्रल ओरसे बारीके धान घरमे भित्र्याइना सकस हुइना करल हो ।

बाजुरामे कुल दुई लाख ३० हजार ३७ हेक्टर जमिनमध्ये २२ हजार हेक्टर किल खेतीयोग्य रहल बा । यहाँ ६ हजार ९१५ हेक्टर जमिनमे धान खेती करजाइठ् । कृषि ज्ञान केन्द्र बाजुराके सूचना अधिकारी प्रेमराज न्यौपानेके अनुसार यहाँ धानके उत्पादकत्व १.९ मेट्रिक टन प्रतिहेक्टर रहल बा ।

कर तिर्ने संस्कृतिको विकास गरौं

- कानुनबमोजिम समयमै कर तिरी जिम्मेवार नागरिक बनौं,
- प्रत्येक खरिद–बिक्रीमा अनिवार्य रूपमा बिल–बिजक लिऔं र दिऔं,
- कर छली तथा अवैध कारोबारलाई निरुत्साहित गरौं,
- डिजिटल माध्यमबाट भुक्तानी गरी सेवा सहज बनाऔं,
- करदाताका अधिकार र कर्तव्यबारे सचेत बनौं,
- पारदर्शी, इमानदार र जिम्मेवार कर संस्कृतिको विकास गरौं,
- करबाट संकलित राजस्व राष्ट्रको विकास र सार्वजनिक सेवामा उपयोग हुने हुँदा राष्ट्र निर्माणमा सहभागि बनौं।

कर तिर्नु नागरिकको दायित्व र राष्ट्रप्रतिको योगदान हो।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

पुलमे साइनबोर्ड राखलपाछे विरोध

दार्चुला, २५ भदौ । दार्चुलास्थित महाकाली लडियामे निर्माण करल नेपाल–भारत जोर्ना पक्की पुलके नेपाल ओरके भारतीय निर्माण व्यवसायीसे राखल साइनबोर्डके विषयहे लेके दार्चुलामे नागरिकस्तरसे विरोध हुइटी रहल बा ।

कालापानीके भूमिका विषयमे लम्मा समयसे दुई देशबिच विवाद रहटी आइल बा । दार्चुलाके नागरिक नेपालके भूभागमे भारत ओरके ठेगाना राखके साइनबोर्ड राखल कहटी विरोध जनाइल हुइट । दुई देश जोर्ना नेपाल–भारत पुलके नेपाल ओर महाकाली नगरपालिका–८, असिगडा क्षेत्र परठ् कलेसे भारतओर धारचुला तहसिल अन्तर्गतके छारछुम क्षेत्र परठ् ।

नेपालस्थित पुलछेउमे नेपाल–भारत मैत्री सेतु लिखके गारल साइनबोर्डके ठेगानामे काली नदी, छारछुम लिखल बा । ओहे विषयहे लेके यहाँके राजनीतिक दल, पत्रकार तथा आमनागरिक विरोध जनैटी यथाशीघ्र सच्याइ पर्ना माग करल हुइट । राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टी दार्चुलाके सभापति राजेशसिंह सामन्त नेपाली क्षेत्रमे राखल साइनबोर्डमे नेपालके ठेगाना लिखे पर्नामे काली नदी, छारछुम भारतके ठेगाना लिखल विषयहे गम्भीरताके साथ परराष्ट्र मन्त्रालय तथा जिल्ला प्रशासन कार्यालय दार्चुलामे सच्याइना जानकारी कराइल बटैलै ।

सीमाक्षेत्रके विषयहे सरकारसे गम्भीरतापूर्वक लेटी परराष्ट्र मन्त्रालयमार्फत भारतसँग आवश्यक समन्वय कैके समस्या समाधान करे पर्नामे उहाँ जोड डेलै । स्थानीय रवि धामी महाकाली सीमा लडियामे निर्माण करल नेपाल–भारत मैत्री पुल दुई देशबिचके सहकार्य ओ सम्झौता अनुसार निर्माण हुइल संरचना कहटी निर्मित संरचनामे राखजैना बोर्ड, लोगो ओ भाषाके स्पष्ट मापदण्ड बनाइ पर्ना धारणा राखल रहिट ।

दार्चुलाके प्रमुख जिल्ला अधिकारी वर्तराज पौडेल इ विषयमे भारतस्थित धारचुलाके एसडिएम आशिषकुमार जोशीसँग बात हुइल तथा त्रुटि सच्याइना जानकारी कराइल बटैलै । मोटरेबल पुल निर्माणमे संलग्न निर्माण कम्पनीके सबइन्जिनियर हेम पाण्डे फेन साइनबोर्ड छपैना क्रममे त्रुटि हुइल तथा तत्काल सच्याइना काम आघे बह्रल बटैलै ।

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अव सर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

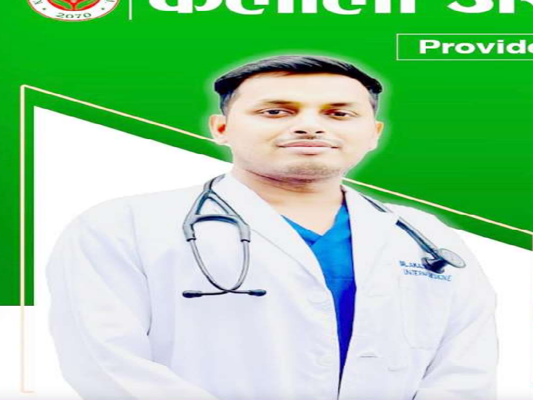

सेवाहरू:
- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९